भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3636

दिनांक 21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस से प्रभावित रोगी

3636. डॉ. बच्छाव शोभा दिनेशः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) से प्रभावित रोगियों की राज्य-वार संख्या कितनी है और उनकी देखभाल किस प्रकार की जा रही है;
(ख) क्या एचएमपीवी कोविड की तरह मानव जीवन के लिए घातक है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और एचएमपीवी संक्रमण के लक्षण क्या हैं;
(ग) वर्तमान में उक्त वायरस से कौन-कौन से देश प्रभावित हो रहे हैं और उन देशों से भारत आने वाले यात्रियों का किस प्रकार परीक्षण किया जा रहा है;
(घ) क्या देश में एचएमपीवी संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) क्या इसके उपचार और विशिष्ट निदान का पता लगाने के लिए सरकार द्वारा युद्ध स्तर पर कोई त्वरित कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): 6 जनवरी 2025 से 27 फरवरी 2025 की अवधि के दौरान भारत में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के रिपोर्ट किए गए मामलों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(ख): एचएमपीवी कई श्वसन संबंधी वायरसों में से एक है जो विशेष रूप से सर्दियों और वसंत के शुरुआती महीनों के दौरान हर आयु के लोगों में संक्रमण पैदा कर सकता है। इन लक्षणों में खांसी, नाक बहना, बुखार, गले में खराश और सांस की तकलीफ शामिल हो सकती है। इस वायरस का आमतौर पर हल्का संक्रमण होता है और यह स्वयं तक ही सीमित रहता है और ज्यादातर मामलों में यह अपने आप ही ठीक हो जाता है।

(ग): यह वायरस वर्ष 2001 से विद्यमान है जिसमें नीदरलैंड में पहले कुछ मामलों की पुष्टि हुई थी। इसके बाद, एचएमपीवी के परिसंचरण को भारत सहित विश्व के लगभग सभी भागों में प्रलेखित किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सभी उपलब्ध निगरानी चैनलों के माध्यम से स्थिति की निगरानी कर रहा है।

(घ): एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के आंकडे़ देश में कहीं भी इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई)/गंभीर तीव्र श्वसनी बीमारी (एसएआरआई) के मामलों में असामान्य वृद्धि का संकेत नहीं देते हैं और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) सेंटिनल निगरानी आंकड़ों द्वारा भी इसकी पुष्टि की गई है।

(ङ): केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एचएमपीवी मामलों के प्रसार की निगरानी और नियंत्रण के लिए और एचएमपीवी के लक्षणों और रोकथाम कार्यनीतियों के बारे में अभियानों के माध्यम से जन जागरूकता पैदा करने के लिए कई विशिष्ट उपाय किए हैं। भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा अनुलग्नक-II में दिया गया है।

*****

अनुलग्नक - I

"ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस से प्रभावित रोगियों" के संबंध में लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3636 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

ह्यूमन_मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के राज्य और संघ राज्य क्षेत्र-वार दर्ज किए गए मामले अवधि: 6 जनवरी से 27 फरवरी 2025 तक। (स्रोत: आईएचआईपी/आईडीएसपी)		
क्र.सं.	**राज्य**	**मामलों की संख्या**
1	कर्नाटक	2
2	गुजरात	11
3	महाराष्ट्र	2
4	तमिलनाडु	31
5	उत्तर प्रदेश	2
6	दिल्ली	6
7	हरियाणा	1
8	राजस्थान	2
9	पुडुचेरी	13
10	असम	15
11	छत्तीसगढ़	1
12	पंजाब	4
कुल		**90**

अनुलग्नक - II

"ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस से प्रभावित रोगी" के संबंध में लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3636 के भाग (ङ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

- एचएमपीवी स्थिति की नियमित निगरानी के लिए 6 जनवरी 2025 से राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) में जन स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केंद्र (पीएचईओसी) को सक्रिय कर दिया गया है। परिस्थितिजन्य रिपोर्ट (एसआईटीआरईपी) को संबंधित हितधारकों के साथ साझा किया जाता है।

- राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सतर्क रहने और पॉजिटिव नमूनों की जांच और अनुक्रमण के लिए अस्पताल में भर्ती एसएआरआई रोगियों के श्वसन नमूने नामित वायरस अनुसंधान और नैदानिक प्रयोगशालाओं (वीआरडीएल) को ही भेजने की सलाह दी गई है।

- आईसीएमआर और आईडीएसपी दोनों नेटवर्कों के माध्यम से भारत में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) के संबंध में एक मजबूत निगरानी प्रणाली पहले से ही मौजूद है।

- राज्यों को सलाह दी गई है कि वे सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) कार्यकलाप तथा साबुन और पानी से हाथ धोने; बिना धुले हाथों से अपनी आंखों, नाक या मुंह को छूने से बचने; बीमारी के लक्षण दिखाई देने वाले लोगों के साथ निकट संपर्क से बचने; खांसते और छींकते समय मुंह और नाक को ढकने आदि जैसे सरल उपायों से वायरस के संचरण की रोकथाम के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाएं।

- सरकार ने देश भर में प्रीप्रेयरडनेस ड्रिल कराई है और इससे पता चला है कि श्वसन संबंधी बीमारियों में मौसमी वृद्धि से निपटने के लिए स्वास्थ्य प्रणाली पर्याप्त रूप से तैयार है।

- सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस), विभिन्न हितधारकों के साथ संयुक्त निगरानी समूह के स्तर पर कई बैठकें आयोजित की गईं और भारत में श्वसन संबंधी बीमारियों की स्थिति और एचएमपीवी मामलों के बारे में स्थिति की समीक्षा की गई। इन हितधारकों में स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, डीजीएचएस, स्वास्थ्य सचिव और राज्यों के अधिकारी, आईडीएसपी, एनसीडीसी, आईसीएमआर, राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान और आईडीएसपी की राज्य निगरानी इकाइयों के विशेषज्ञ शामिल हैं।

- राज्यों को आईएलआई/एसएआरआई निगरानी को सुदृढ़ करने और समीक्षा करने की सलाह दी गई है।

*****